दिनांक 28.11.2015 को उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून की सम्पन्न हुई परीक्षा समिति की ग्यारहवीं बैठक का कार्यवृत्त

बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे:–

1.	प्रो0 पी0के0 गर्ग, कुलपति	अध्यक्ष
2.	श्री प्रमोद कुमार जोशी, कुलसचिव, यू0टी0यू0।	सदस्य
3.	श्री जयपाल सिंह तोमर, वित्त नियंत्रक यू0टी0यू0।	सदस्य
4.	कुलपति प्रतिनिधि, जी0बी0पी0यू0ए0टी0,पंतनगर।	सदस्य
5.	निदेशक, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून।	सदस्य
6.	निदेशक प्रतिनिधि,एस0आई0एच0एम0सी0टी0एंड ए0एन0, नई टिहरी।	सदस्य
7.	निदेशक, एस0बी0एस0पी0जी0आई0, बालावाला, देहरादून।	सदस्य
8.	निदेशक, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रूड़की।	सदस्य
9.	निदेशक, क्वांटम स्कूल ऑफ टैक्नोलॉजी, रूड़की।	सदस्य
10.	निदेशक, जागरण स्कूल ऑफ लॉ, तहसील–विकासनगर।	सदस्य
11.	निदेशक, तुलाज इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, देहरादून।	सदस्य
12.	डॉ0 विमलेश डिमरी, यू0टी0यू0।	आमंत्रित सदस्य
13.	श्री अरूण शर्मा।	आमंत्रित सदस्य

बैठक प्रारम्भ होने से पूर्व मा0 कुलपति महोदय/अध्यक्ष, परीक्षा समिति द्वारा समिति के सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया गया, जिसके उपरान्त बैठक प्रारम्भ की गयी है।

<u>एजेण्डा बिन्दु–11(1)</u>

परीक्षा समिति की दसवीं बैठक दिनांक 01.05.2015 के कार्यवृत्त की सम्पुष्टि।

विनिश्चय– समिति की दिनांक 01.05.2015 को हुई दसवीं बैठक के कार्यवृत्त की समपुष्टि करते हुए अनुमोदन किया गया।

<u>एजेण्डा बिन्दु –11(2)</u>

विश्वविद्यालय द्वारा दिसम्बर, 2015 तृतीय सप्ताह से प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाओं की समय–सारणी 'परीक्षा समिति' के अनुमोदन की प्रत्याशा में कुलपति महोदय की सहमति से वेबसाइट के माध्यम से प्रकाशित कराये जाने हेतु परीक्षा नियंत्रक या कुलपति महोदय द्वारा नामित सदस्य को अधिकृत किये जाने के लिए परीक्षा समिति के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय– समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से एकेडिक कैलेण्डर के अनुसार दिसम्बर तृतीय सप्ताह (21.12.2015) से प्रस्तावित तकनीकी पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर एवं एक सप्ताह बाद व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की वार्षिक परीक्षाओं की समय–सारणी कोतैयार कर मा0 कुलपति महोदय के अनुमोदन/प्राप्त निर्देशानुसारविश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किये जाने की सहमति प्रदान की गयी है।

<u>एजेण्डा बिन्दु –11(3)</u>

विश्वविद्यालय की दिसम्बर तृतीय सप्ताह से प्रस्तातिव तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर मुख्य परीक्षाओं के साथ ही सेमेस्टर की बैक परीक्षाओं के संचालन/सम्पादन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व की भांति सम्बद्ध संस्थानां को परीक्षा केन्द्र बनाये जाने की संस्तुति हेतु परीक्षा समिति के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय– विश्वविद्यालय की दिसम्बर तृतीय सप्ताह (21.12.2015) से प्रस्तावित तकनीकीपाठ्यक्रमों केसेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं एवं एक सप्ताह उपरान्त व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की वार्षिक मुख्य परीक्षाओं के सम्पादन/संचालन हेतु पूर्व की भांति केन्द्र बनाये जाने, जिसका अलग से प्रस्ताव मा0 कुलपति महोदय के सम्मुख विश्वविद्यालय की आन्तरिक व्यवस्था के अन्तर्गत प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं के साथ संबंधित सेमेस्टर की बैक परीक्षाएं नहीं कराई जायेगी। बैक पेपर परीक्षाएं, सेमेस्टर की मुख्य परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के उपरान्त 15–20 दिन के भीतर करायी जानी प्रस्तावित है। उक्त निर्णय पर समिति के सभी सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

विश्वविद्यालय की प्रस्तावित विषम सेमेस्टर परीक्षाओं हेतु प्रस्तावित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के साथ ही उडनदस्ते के संयोजक/सदस्यों की नियुक्ति हेतु समिति की संस्तुति के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय— विश्वविद्यालय की प्रस्तावित तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाओं हेतु निर्धारित किये जाने वाले परीक्षा केन्द्र पर पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के संयोजकों/सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में विश्वविद्यालय की आन्तरिक व्यवस्था के अन्तर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत कर कुलपति महोदय से अनुमोदन/अनुमति प्राप्त करते हुए नामित/नियुक्त किये जाने के निर्णय पर समिति द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

<u>एजेण्डा बिन्दु –11(5)</u>

दिसम्बर, 2015 के तृतीय सप्ताह से प्रस्तावित विषम सेमेस्टर की मुख्य एवं बैक परीक्षाओं हेतु प्रश्नपत्र बनवाये जाने हैं, चूँकि यह कार्य गोपनीय प्रकृति है। अतः इस कार्य हेतु परीक्षा नियंत्रक एवं माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया जाना है। अतः तत्सम्बन्धी समस्त प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों हेतु उपरोक्त दोनों अधिकारियों को अधिकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव "परीक्षा समिति" के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय— उक्त बिन्दु पर अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक नहीं होने की दशा में उक्त पद कुलपति महोदय के नियंत्रणाधीन होने के कारण परीक्षा से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग उन्हीं के द्वारा की जा रही है और प्रश्न पत्रों संबंधी कार्य प्रगति पर है। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया कि मा0 कुलपति महोदय की देख–रेख तथा उनके द्वारा प्राप्त दिशा–निर्देशानुसार प्रस्तावित सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं हेतु प्रश्न पत्रों के निर्माण/प्रिंटिंग/मॉडरेशन, इत्यादि कार्य कराये जायं। जिस पर सर्वसम्मति से समिति के सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

<u>एजेण्डा बिन्दु –11(6)</u>

विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर/वार्षिक परीक्षाओं में पकड़े गये अनुचित साधन प्रयोग (UFM) प्रकरणों के निस्तारण हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर गठित तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट परीक्षा समिति के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय— उक्त बिन्दु पर अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया किविश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम ऑर्डिनेंस में अनुचित साधन प्रयोगा (UFM) प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था नहीं होने के कारण विश्वविद्यालय द्वारा एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था जिसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। प्रस्तुत उक्त रिपोर्ट का परीक्षा समिति के सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया और अवलोकन उपरान्त सभी सदस्यों द्वारा रिपोर्ट से सहमति व्यक्त करते हुए आगामी परीक्षाओं में पकड़े जाने वाले UFM प्रकरणों का निस्तारण कमेटी द्वारा दिये गये सुझावों के आधार पर निस्तारित किये जाने के निर्णय पर सहमति प्रदान की गयी।

<u>एजेण्डा बिन्दु --11(7)</u>

दिसम्बर, 2015 की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु पूर्व की भाँति मा0 कुलपति महोदय/अध्यक्ष, परीक्षा समिति द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार मूल्यांकन केन्द्रों का निर्धारण किये जाने हेतु परीक्षा समिति के सम्मुख चर्चा व अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय— परीक्षासमिति द्वारा मूल्यांकन कार्य की व्यवस्था को साफ–सुथरी एवं पारदर्शी बनाये जाने हेतु केन्द्रीकृत(Centralize)मूल्यांकन व्यवस्था बनाते हुए सभी पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य को संचालित/सम्पादित कराये जाने हेतु मूल्यांकन केन्द्र बढ़ाये जाने पर चर्चा हुई, जिस पर समिति के सदस्योंद्वारा तत्समय निर्णय लिये जाने हेतु मा0 कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया है। अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदस्यों को यह भी अवगत कराया गया है कि मूल्यांकन केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी कैमरे लगाये जानेप्रस्तावित है ताकि निष्पक्षता एवं पारदर्शितापूर्ण मूल्यांकन कार्य संचालित हो। साथ ही समिति की बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि संस्थानों से अनुभवी एवं योग्यता प्राप्त विषय–विशेषज्ञों को ही मूल्यांकन कार्यों में सम्मिलित किया गया जाय, उक्त सुझाव पर सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।

अन्य बिन्दु–

मा0 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

1. बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा उड़नदस्ते के सदस्यों को वर्तमान में मिलने वाले मानदेय/पारिश्रमिक को बढ़ाये जाने की बात की है तथा न्यूनतम पारिश्रमिक रूपये 250.00 प्रति संस्थान व एक दिन में अधिकतम रूपये 1500.00 जो कि पूरे परीक्षा काल में रूपये 15000.00 की अधिकतम सीमा तक निर्धारित रहेगा। साथ ही उड़नदस्ते के सदस्य पूरे परीक्षा काल में एक केन्द्र पर अधिकतम दो बार ही निरीक्षण के लिए जा सकते हैं तथा यह कार्य पूरी परीक्षा अवधि मेंवितरण कर करना है जिससे पूरा परीक्षा कार्यकाल कवर हो सके। पर्यवेक्षक को मिलने वाले पारिश्रमिक में न्यूनतम रूपये 800 प्रतिदिन तथा अधिकतम 10000.00 की सीमा तक वृद्धि करने का सुझाव दिया गया। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा पारिश्रमिक में वृद्धि के प्रस्ताव को वित्त समिति की स्वीकृति की प्रत्याशा में सहमति प्रदान की गयी।

2. [illegible] नियुक्त केन्द्र अध्यक्षका का वर्तमान में मिल रहे पारिश्रमिक में वृद्धि कर न्यूनतम रूपये 900.00 प्रतिदिन व अधिकतम 12000.00 की सीमा तक किये जाने का सुझाव दिया गया है। साथ ही सहायक केन्द्र अध्यक्षकों को मिलने वाले पारिश्रमिक में वृद्धि कर न्यूनतम रूपये 600.00 व अधिकतम रूपये 8000.00 की सीमा तक किये जाने की बात रखी गयी है। साथ ही बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि केन्द्र स्तर पर कोई त्रुटि पायी जाती है तो संबंधित केन्द्र अध्यक्ष/सहायक केन्द्र अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक के पारिश्रमिक से समान रूप से कटौती की जाय, जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा समिति व्यक्त की गयी। साथ पारिश्रमिक में वृद्धि हेतु विश्वविद्यालय की आगामी वित्त समिति की स्वीकृति की प्रत्याशा में सहमति प्रदान की गयी।

3. प्रश्न–पत्रबनाये जाने हेतु वर्तमान में देय पारिश्रमिक रूपये 1000.00 में वृद्धि करते हुए रूपये 1500.00 किये जाने तथा प्रश्न पत्र के Solutionसहित प्रश्न पत्र सेटर द्वारा दिये जाने के सुझाव सदस्यों द्वारा रखे गये। साथ ही यह सुझाव रखा गया कि मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा त्रुटि रहित मूल्यांकन होने के उपरान्त ही मूल्यांकन का पारिश्रमिक निर्गत हो, जिस पर समिति द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।

4. समिति के सदस्यों द्वारा सभी संस्थानों से मूल्यांकन हेतु समय–समय पर आवश्यकतानुसार अनुभवी, योग्यता प्राप्त विषय–विशेषज्ञ भेजे जाने की बात कही गयी ताकि मूल्यांकन कार्य समय पर पूर्ण हो सके और परिणाम घोषित किया जा सके। साथ ही मूल्यांकन कर्ता द्वारा प्रतिदिन 60 उत्तर पुस्तिकाएं अधिकतम एवं 40 उत्तर पुस्तिकाएं न्यूनतम प्रतिदिन मूलयांकित करनी होगी

5. सम्बद्ध संस्थानों में नामांकन प्राप्त सभी छात्र–छात्राओं का विवरण एक शपथ पत्र के साथ विश्वविद्यालय में जमा कराया जाना होगा अन्यथा की दशा में शपथ पत्र नहीं दिये जाने वाले संस्थानों के छात्रों की परीक्षायें नहीं करायी जायेगी, इस निर्णय पर समिति के सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।

6. सभी सम्बद्ध संस्थानों द्वारा अध्ययनरत समस्त छात्रों का पूर्ण विवरण वर्षवार यथा–अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण विषयों की संख्या, श्रेणी–अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ा वर्ग आदि का (Data Base) तैयार कर विश्वविद्यालय द्वारा मांगे जाने पर सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध करायेंगे

अन्त में अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुये बैठक समाप्ति की घोषणा की।

-sd-

(प्रमोद कुमार जोशी)
कुलसचिव

(प्रो0 पी0के0 गर्ग)
कुलपति/अध्यक्ष, परीक्षा समिति